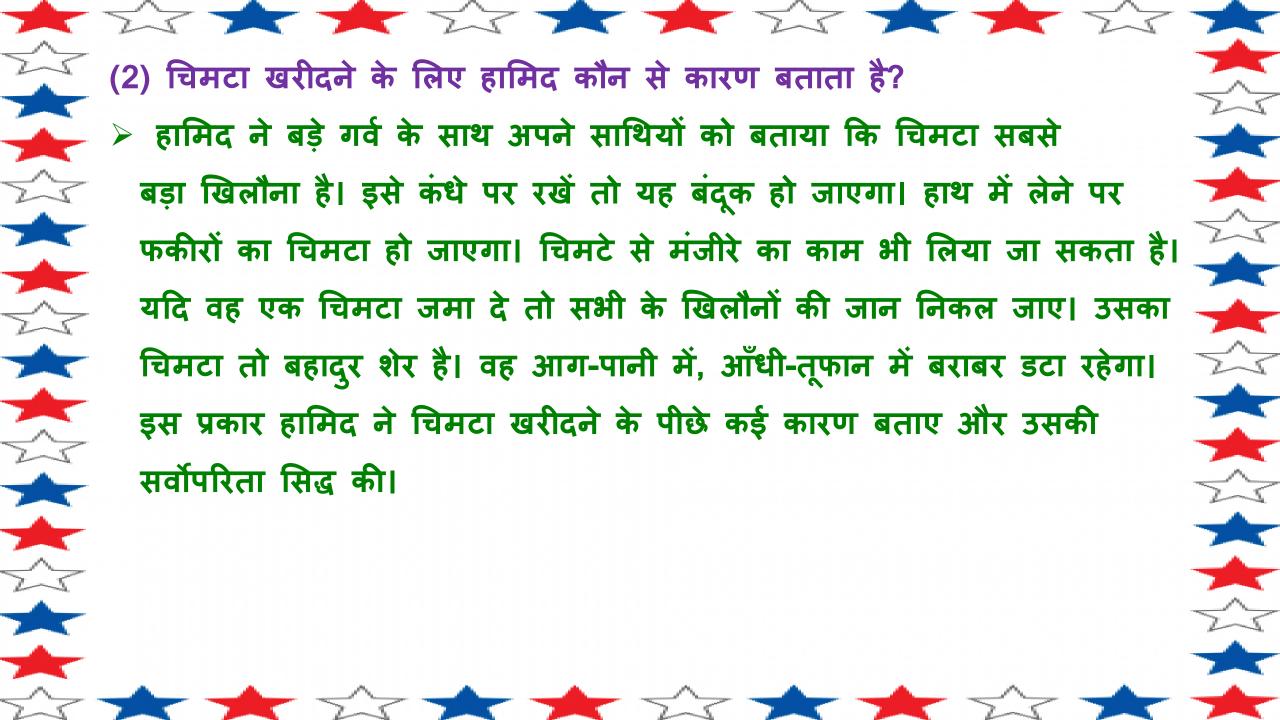


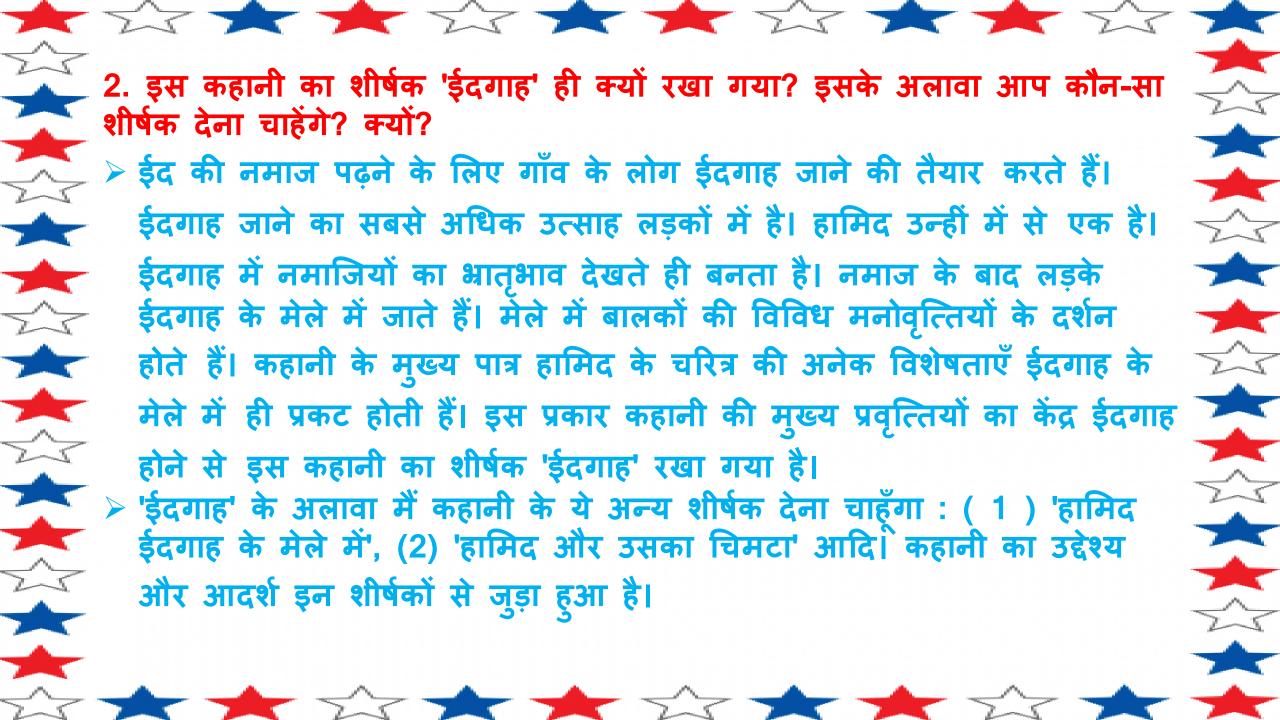
अभ्यास

1. प्रश्नो के उत्तर दीजिए:

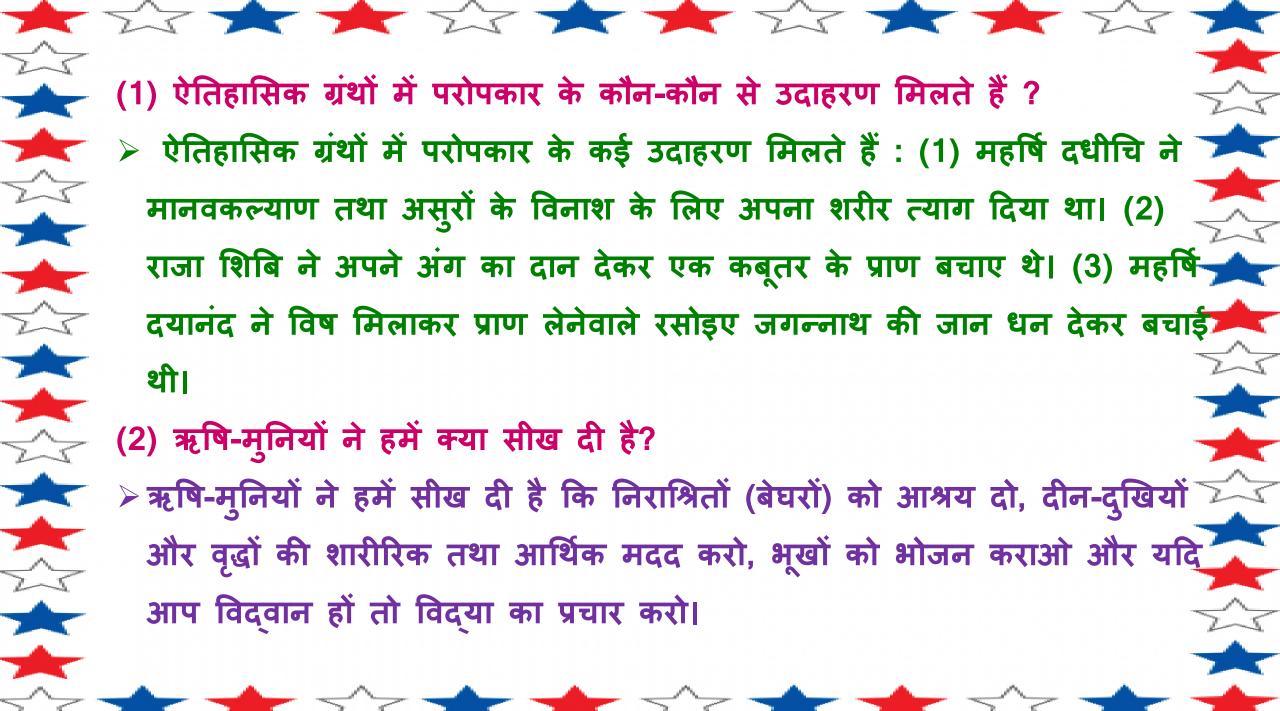
- (1) हामिद ने चिमटा ही क्यो खरीदा ?
- > हामिद को लोहे की दुकान पर चिमटा देखकर ख्याल आया कि दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारते समय उसकी उँगलियाँ जल जाती
- हैं। चिमटा ले जाने पर वे जरूर प्रसन्न होंगी। चिमटा होने पर उसकी उँगलियाँ कि नहीं जलेंगी और घर में एक काम की चीज भी हो जाएगी। खिलौने और मिठाइयाँ कि
- नहीं जलेंगी और घर में एक काम की चीज भी हो जाएगी। खिलौने और मिठाइयाँ खरीदने में तो पैसों की बरबादी ही है। ऐसा सोचकर हामिद ने और कोई चीज न
- **खरीदकर चिमटा ही खरीदा।**

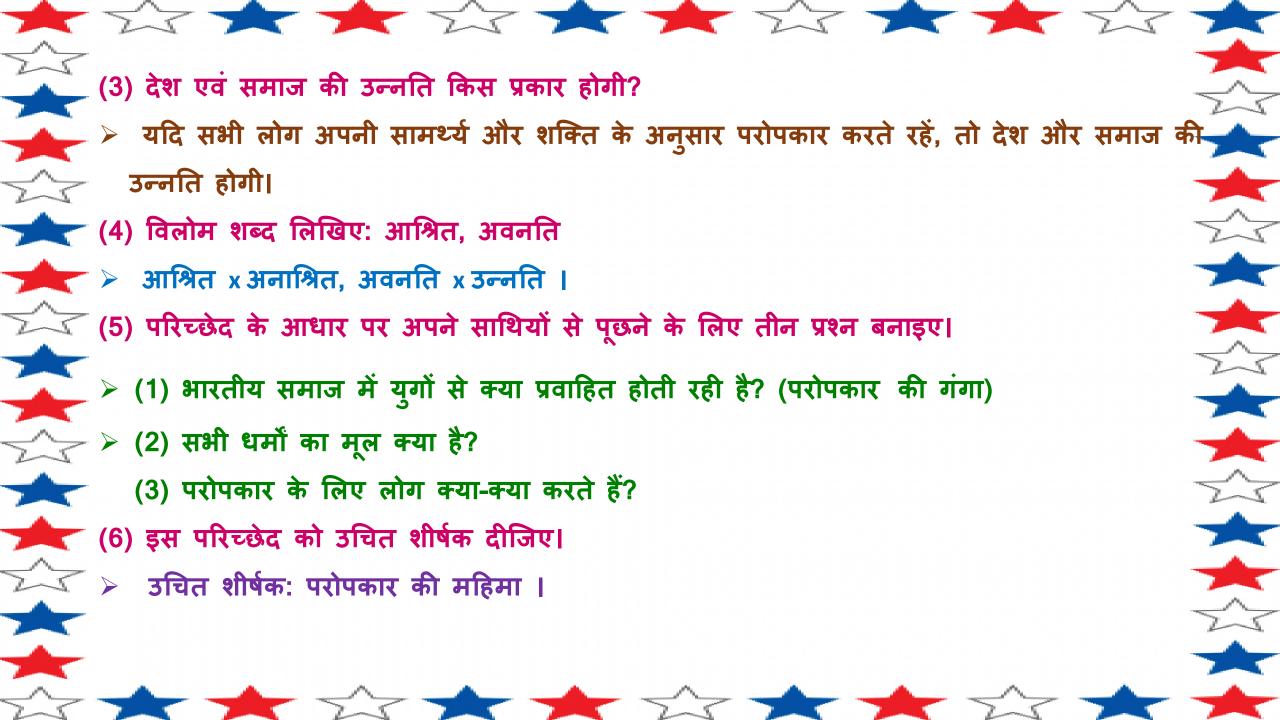


📆 (3) बूढ़ी अम्मा का क्रोध स्नेह मे क्यो बदल गया? 🔭 > हामिद के चिमटा लाने पर अम्मा को दुःख हुआ। उसे हामिद की नासमझी पर क्रोध भी आया। हामिद ने दादी से कहा कि रोटियाँ पकाते समय तुम्हारी उँगलियाँ ా जल जाती थीं, इसलिए मैं चिमटा लाया हूँ। यह सुनकर बूढ़ी अम्मा का क्रोध स्नेह में बदल गया। हामिद के त्याग, सद्भाव और विवेक पर वह न्यौछावर हो गई। (4) अब आप चिमटे के प्रयोग की तरह रुमाल के विविध प्रयोग बताइए । 🚣 > रूमाल का उपयोग हाथ-मुँह और पसीना पोंछने में किया जाता है। उसके अन्य **Z** उपयोग भी हैं, जैसे तेज धूप में उसे सिर पर बाँध सकते हैं। हल्की बारिश में भी वह कुछ हद तक सिर को भीगने से बचा सकता है। थैली न होतो वह शाक-सब्जी आदि बाँधने के काम आ सकता है। रूमाल से जादू के कुछ प्रयोग भी किए जाते



3. निम्निलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: हमारे इतिहास और प्राणों में परोपकार के अनेक उदाहरण मिलते हैं। दधीचि ने मानव कल्याण तथा अस्रों के संहार के लिए अपना शरीर त्याग दिया। राजा शिबि ने पंडूक के प्राण की रक्षा के लिए अंग दान किए। महर्षि दयानंद ने विष मिलाकर प्राण लेनेवाले अपने रसोइए जगन्नाथ के प्राणों की रक्षा धन् देकर की। वर्तमान में भी अनेक सामाजिक संस्थाएँ परोपकार के लिए अपना धन और समय भारतीय समाज को दे रही हैं। भारतीय समाज में युगों से परोपकार की सुरसरि प्रवाहित होती आई है। यहाँ ऋषि 🛖 🛖 म्नियों ने यही सीख दी है कि, निराश्रितों को आसरा दो। दीन-दुखियों और वृद्धों की शारीरिक और 🍞 आर्थिक मदद करो। भूखों को भोजन करवाओ। विद्वान हो तो विद्या का प्रचार कर समाज का उद्धार 🔭 📨 करो। यहाँ सदा सबकी भलाई में ही अपनी भलाई मानी जाती रही है। संसार के सभी धर्मों का मूल परोपकार है। किसी भी संत-महात्मा ने इसके बिना मनुष्य जीवन को सार्थक नहीं माना। लोग परोपकार के लिए ही औषधालय, गौशालाएँ और धर्मशालाएँ बनवाते हैं। सभी अपनी सामर्थ्य और शक्ति के अनुसार् परोपकार करते रहें तो समाज एवं देश की उन्नति होती रहेगी तथा 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना फैलेगी।





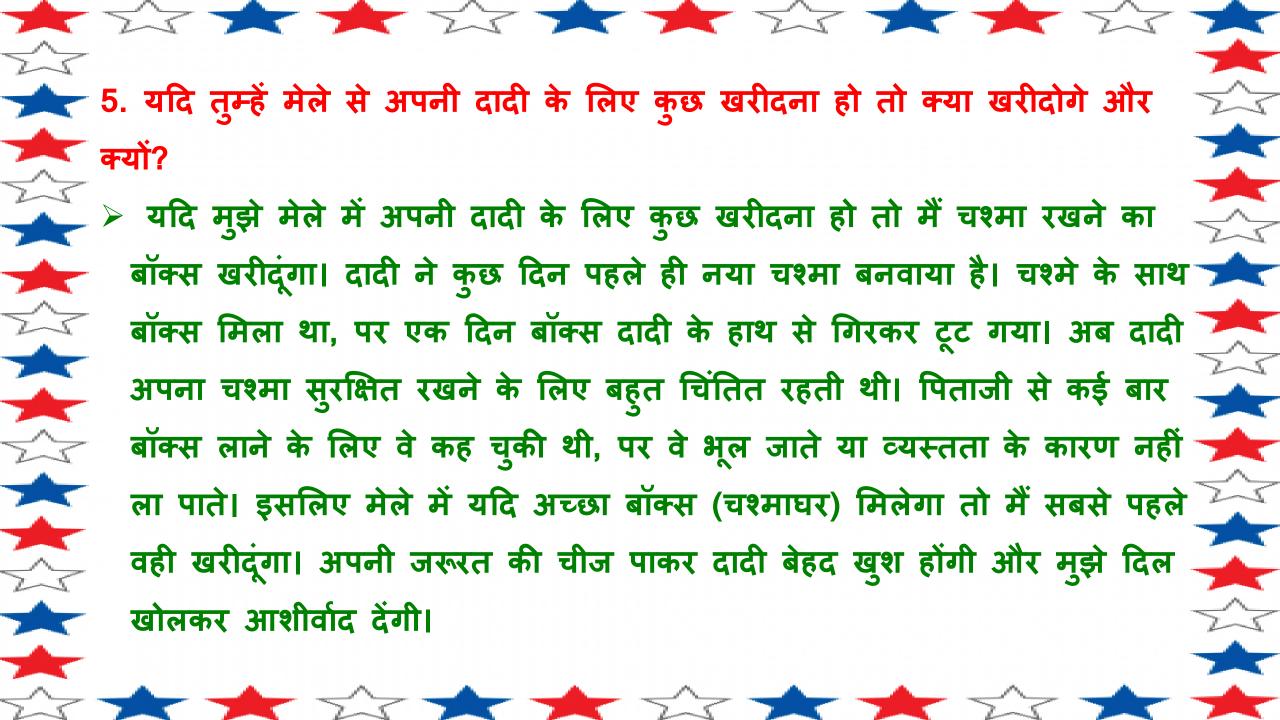
4. तुम भी हामिद की तरह किसी न किसी मेले में गए होगे, वहाँ तुमने क्या-क्या खरीदा और क्यों?

 \rightarrow

*

*

> दिसंबर के आखिरी हफ्ते में हमारे यहाँ से कुछ दूर 'भवानी मंदिर' के पास मेला लगता है। इसे 'भवानी मेला' कहते हैं। पिछली बार मैं भी अपने मित्र के साथ इस मेले में गया था। मेले में तरह-तरह की चीजों की द्कानें थीं। समझ में नहीं आ रहा था कि क्या लूँ, क्या न लूँ। मेरे पास ज्यादा रुपये नहीं थे। इसलिए सोचा कि जरूरत की चीजें ही लूँ। मेरे पास लिखने के लिए अच्छा पेन नहीं था। दुकानदार के भरोसा दिलाने पर मैंने एक पेन खरीदा। ठंडी के दिनों में दादाजी के कानों में ठंडी हवा लगती थी। उनके लिए मैंने गुलूबंद खरीदा। छोटी बहन के लिए गुड़िया खरीदी। मेरे मित्र ने भी अपनी जरूरत की चीजें खरीदीं। शाम को हम घर लौटे। ग्लूबंद पाकर दादाजी खुश हुए। गुड़िया पाकर छोटी बहन खुशी से उछल पड़ी। मेरा पेन देखकर पिताजी खुश हुए। बोले, "काम की चीजें खरीदकर तुमने अपनी समझदारी दिखाई है।"





1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

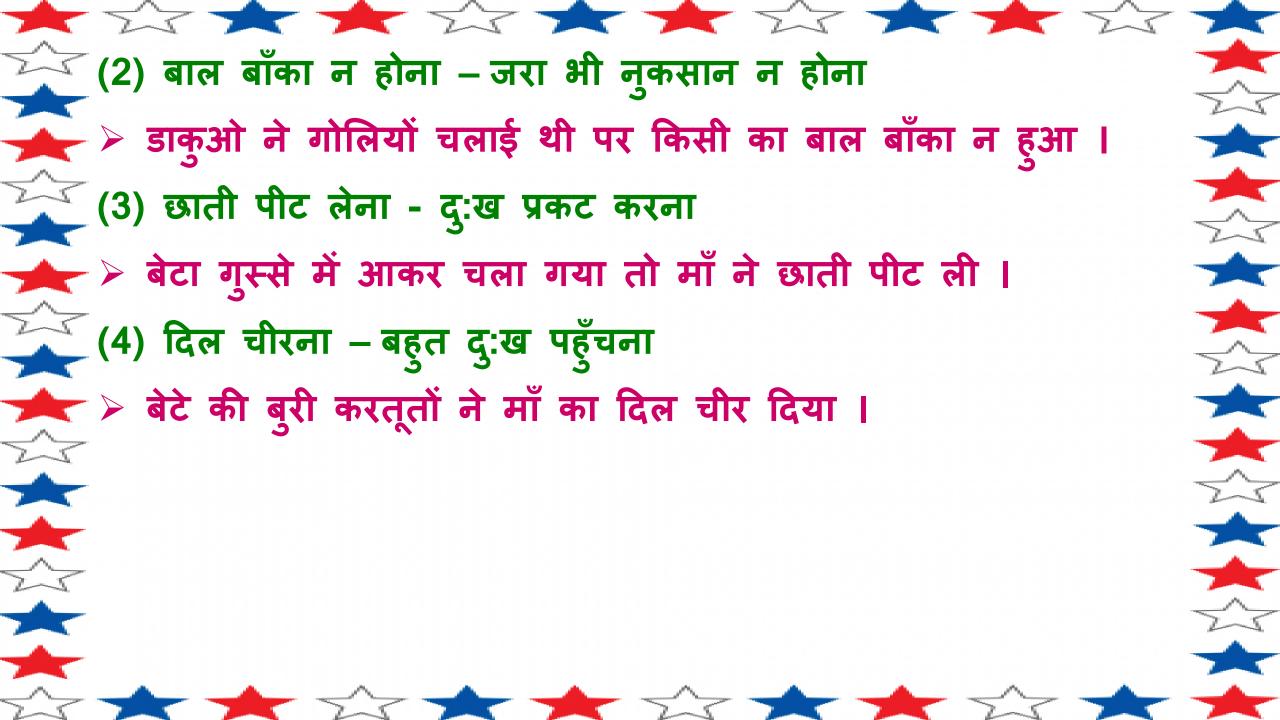
- (1) रोजे के दिन मुसलमान क्या करते हैं ?
- र्के भ्रयादिय से सूर्यास्त तक कुछ भी न खाने-पीने को अर्थात् उपवास को 'रोजा' कहते हैं। 'रोजा' मुसलमानों का एक मजहबी फर्ज है।
- (2) रमजान ईद के दिन मुसलमान लोग कहाँ जाते हैं ?
- 🔭 > रमजान ईद के दिन मुसलमान लोग नमाज पढ़ने के लिए ईदगाह जाते है ।
- (3) दुकानों में कौन-कौन से खिलौने मिल रहे थे?
- 🛖 > दुकानों में सिपाही, गुजरिया, राजा, वकील, भिश्ती, धोबिन आदि मिट्टी के
- खिलौने मिल रहे थे।

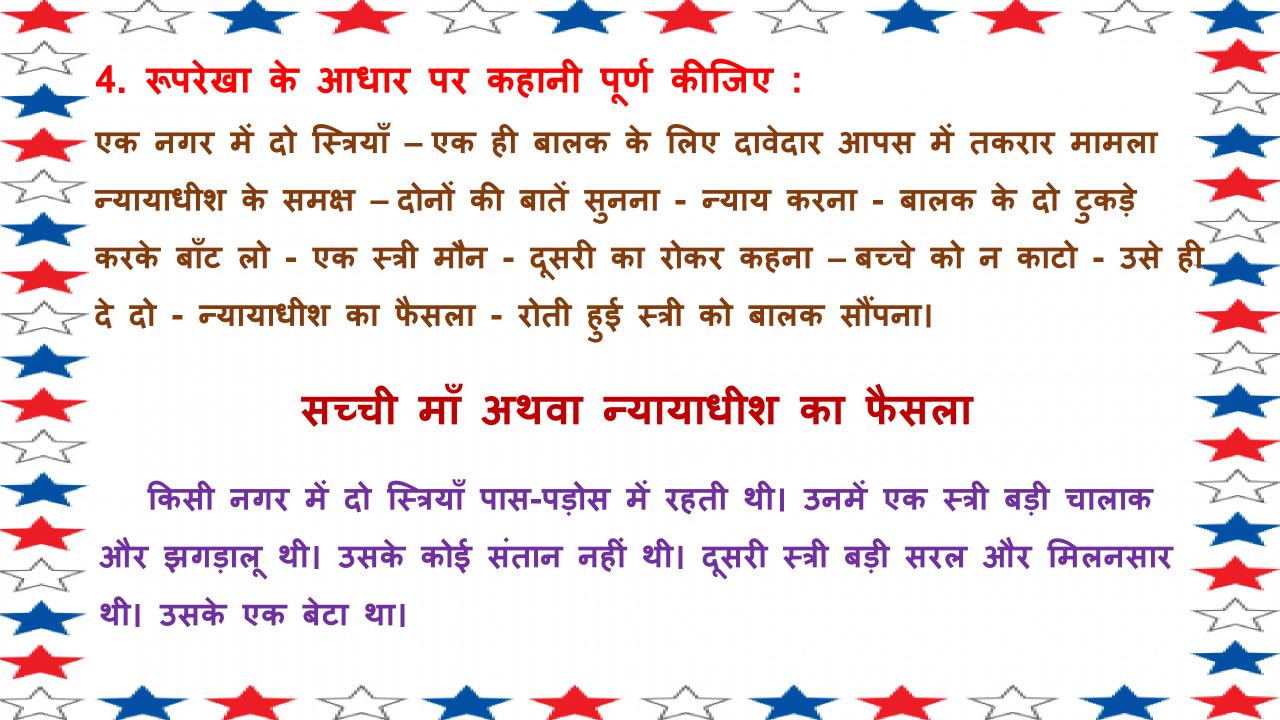


शब्द	शीतल	प्रसन	गरीब	अंधकार	स्नेह	पुरानी	
समानार्थी	ठंडा	खुश	दीन	अँधेरा	प्रेम	प्राचीन	
विरोधी	उब्ज	खिन्न	अमीर	प्रकाश	घृणा	नयी	

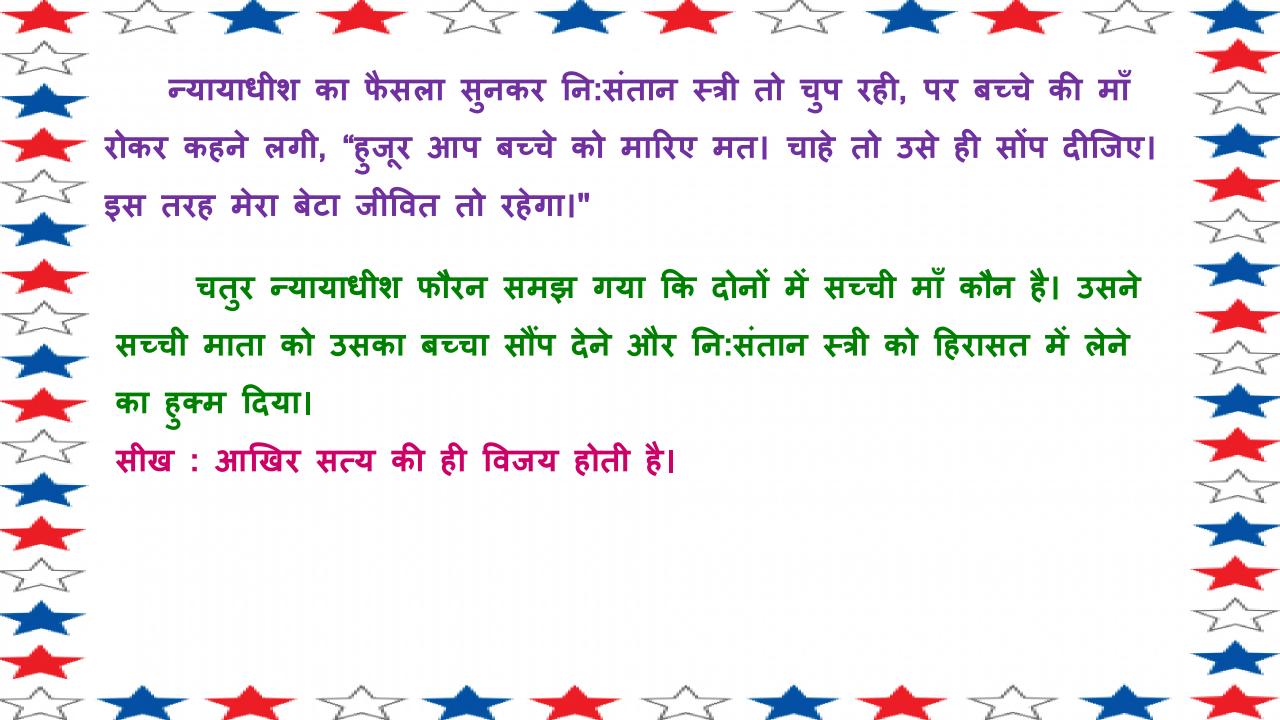
3. मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

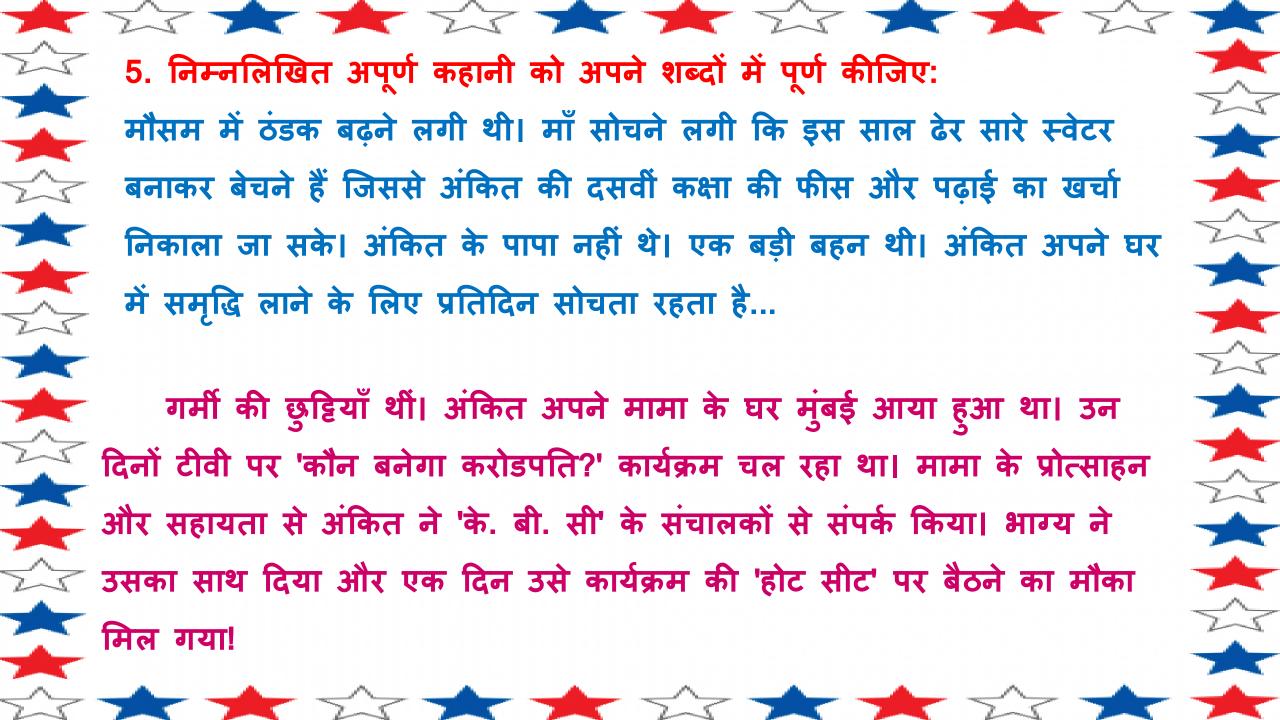
- (1) बेड़ा पार लगाना संकट से बचाना
- > भगवान ही गरीबो का बेड़ा पार लगाता है।





एक बार संतानवाली स्त्री अपने बच्चे को घर में अकेला छोड़कर बाहर गई हुई थी। मौका पाकर नि:संतान स्त्री बच्चे को पालने से उठाकर ले गई। फिर वह फौरन, बाहर चली गई। बच्चे के गुम हो जाने पर बच्चे की माँ बहुत दुःखी हुई। उसने किसी तरह अपनी चोर पड़ोसिन का पता लगाया और उसके पास जाकर अपना बच्चा माँगा। तब उसने कहा, "यह मेरा बेटा है। मैं न दूँगी, जो चाहे सो कर ले।" दोनों में खूब झगड़ा हुआ। तब लोगों ने उन्हें न्यायालय में जाकर झगड़े का निपटारा करने की सलाह दी। आखिर दोनों स्त्रियाँ न्यायाधीश के पास पहुँचीं। बच्चे पर दोनों का एक-सा दावा देखकर न्यायाधीश ने अपने कर्मचारी को आदेश दिया, "इस बच्चे के दो बराबर दुकड़े करो और एक-एक दोनों स्त्रियों को दे दो।"





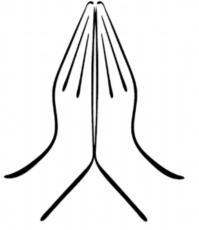
अंकित के सामने बैठे थे बोलीवूड के महानायक अमिताभ बच्चन! उन्होंने ా दर्शकों को अंकित का परिचय दिया। फिर शुरू हुई प्रश्नमालिका। अंकित खुश था 🕤 और घबरा भी रहा था! लेकिन वह स्वस्थ रहा। अंकित ने उनके प्रश्नों के सही उत्तर दिए। भाग्य ने उसका साथ दिया। वह 🔀 पच्चीस लाख रुपये तक पहुँच गया। अगले प्रश्न का उत्तर उसे न सूझा। उसकी चारों लाइफ लाइनें खत्म हो चुकी थीं। अंकित ने गेम से 'क्वीट' करने का निश्चय * किया। अमिताभ बच्चन के हाथों पच्चीस लाख का चेक पाकर उसकी खुशी का 🦟 ठिकाना न रहा। अब अंकित की माँ को ढेर सारे स्वेटर बनाने और अंकित की पढ़ाई का खर्च निकालने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

THAIKS

*

★☆

\frac{1}{2}



FOR WATCHING